इसलिए जैसे विदेश में जाकर हमने सूडान में आयल इक्विटी फील्ड, जहां पर तेल का भंडार है, वहां पर अपनी इक्विटी ली है या भारत में भी इम्पोर्ट कम हो इसके लिए हमने एथेनॉल का पांच परसेंट उपयोग शुरू किया है। ये सारे प्रयास चल रहे हैं जिसके कारण हमारे आयात की जितनी मात्रा कम हो सकती है, उतनी कम हो जायेगी।

*386. [The questioner (Shri Abani Roy) was absent. For answer *vide* page 32 *infra*.]

*387. [The questioner Shrimati Saraj Dubey, Shrimati Sarla Maheshwari were absent. For answer *vide* page 33 *infra*.]

Allocation of gas to power projects

*388. SHRI BACHANI LEKHRAJ:

DR. A.K. PATEL:††

Will the Minister of PETROLEUM & NATURAL GAS be pleased to state:

(a) the demand for allocation of gas to power projects at present;

(b) whether Government are considering the demand;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) by when Government now propose to firm up the allocation of gas for Pipavav Project when the problems between the British Gas, Reliance, and ONGC Consortium have been sorted out?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) As per the Indian Hydrocarbon Vision-2025 the demand of natural gas for power sector is estimated to be 119 Million Standard Cubic Meters Per Day (MMSCMD) by the year 2006-07. In 2002-03, as against the allocation of 52.4 MMSCMD of gas to Power Sector Projects, the average gas supply was around 27.2 MMSCMD. Currently, as against the total allocation of around 120 MMSCMD of natural gas, the supplies have been only around 65 MMSCMD. Therefore, it is not possible to consider

†† The question was actually asked on the floor of the House by Dr. A. K. Patel.

fresh requests for allocation of natural gas from the existing sources. With the commencement of supplies of re-gassified Liquefied Natural Gas (LNG) scheduled from January, 2004 from Petronet LNG's Dahej LNG Terminal, additional gas may be available to consumers including Power Sector Projects.

(d) Revised Development Plan of Tapti field has not yet been approved by the Operating Committee of the field which comprises representatives of the companies constituting the Joint Venture. Gas supplies for Pipavav Power Project will be firmed up after Revised Development Plan of Tapti field is agreed upon by the Operating Committee and approved by the Management Committee.

DR. A.K. PATEL : Mr. Chairman, Sir, I would like to know from the hon. Minister about the demand of gas for power projects in Gujarat. What is the present situation?

श्री राम नाईक: सर, गुजरात के लिए मौटे तौर पर उनकी जो मांग है उसमें से इस समय हम आधी मांग पूरी कर रहे हैं और देश में भी लगभग उसी प्रकार की स्थिति है। इतना जरूर है कि देश में जो अलग-अलग राज्यों को गैस दी जाती है उसमें से सबसे ज्यादा गैस गुजरात को दी जाती है। लेकिन गुजरात की मांग की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत और गैस की उनको आवश्यकता रहेगी।

SHRI BALBIR K. PUNJ: Sir, we do have shortage of natural gas. There had been a proposal, for a long time, to import gas from Iran via Pakistan. Will the hon. Minister tell us as to where that proposal stands? What are the bottlenecks and how fast that proposal can be implemented?

श्री राम नाईक: सर, ईरान से भारत तक पाइप लाइन के जरिये तेल लाने के दो रास्ते हैं। एक तो गहरे समुद्र में से जहां 400 मीटर से अधिक पानी की गहराई है। दूसरा जमीन के मार्ग से, जिसमें पाकिस्तान आता है। पाकिस्तान के जरिए आने की जो चर्चा है इस समय जो वातावरण है- उसके बदले में गहरे समुद्र में अगर पाइप लाइन डालते है तो कितना खर्चा आएगा, यह संयुक्त जानकारी लेने का काम, ईरान की नेशनल ऑयल कम्पनी और भारत की 'गेल' कर रहे हैं, दोनों इस संबंध में ऐस्टीमेट लगा रहे हैं। उसके आधार पर कमर्शियलों, व्यापारिक दृष्टि से वह लाना संभव होगा या नहीं, उसका निर्णय होगा।

श्री ललितभाई मेहता : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि गैस का उत्पादन कम होने के कारण गुजरात की मांग दिसम्बर 2002 में प्वाइंट चार एमएमएससीएमडी देने

की थी और फरवरी 2003 तक वह और प्वाइंट दो देने की थी। मंत्री जी ने यह हवाला देते हुए कहा था कि गुजरात गैस का उत्पादन घट रहा है। मैं आपके मंत्रालय के जो आंकड़े मेरे पास हैं, वह बताना चाहता हूं। 1998-99 में 2645.10, 1999-2000 में 2687.97, और आज का मेरा अनस्टार्ड कवेश्चन है, उसमें तीन साल के आंकड़े दिये हैं। 2000-01 में 29.332, 2001-02 में 29.621, 2002-03 में 31.251 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन हुआ है। यानी पिछले पांच साल से लगातार गैस का उत्पादन बढ़ रहा है। हमारे पूर्व मुख्य मंत्री और सदन के माननीय सदस्य श्री केशुभाई पटेल यहां विराजमान हैं। आपके साथ जितनी बार हमारी मुलाकात हुई है, आपने यही बात कही थी कि गैस का उत्पादन बढ़ने के बाद जो वायदा किया है, उसे पूरा करेंगे। आपने वायदा किया है। लिखित रूप में पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का जो नोट है, उसमें चीफ मिनिस्टर के साथ मुलाकात की तीन बातें हैं। इसके बावजूद भी गुजरात के साथ गैस के संबंध में जो वायदा किया था, उसे आप पूरा नहीं कर रहे हैं, ऐसा क्यों है?

श्री राम नाईक: महोदय, हमने इसे देने का वायदा किया है। जब अधिक गैस उपलब्ध होगी, उस समय देंगे, ऐसा कहा है ...(**व्यवधान**)... वही बता रहे हैं कि खोज होने के बाद पांच से छः साल लगते हैं। लेकिन इस बीच एक बहुत अच्छी डेवलपमेंट हमने की है और वह यह है कि लिक्विड नेचुरल गैस यानी एलएनजी के संबंध में हम कतार से 25 साल का कान्ट्रेक्ट करके...

श्री ललितभाई मेहता: सभापति महोदय, नेचुरल गैस का वायदा मंत्री जी ने किया है और पांच साल में लगातार गैस का उत्पादन बढ़ा है, यह इनके स्वयं के आंकड़े बता रहे हैं।

श्री सभापति: वह वायदा निभाने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री राम नाईक: एलएनजी भी नेचुरल गैस है, खाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस है। Dahej में भी उसका टर्मिनल बन रहा है। उसका 85 परसेंट काम पूरा हो गया है। जनवरी 2004 से Dahej टर्मिनल आपरेट होगा, कतार से गैस आनी शुरू होगी और जनवरी 2004 के बाद जो अतिरिक्त गैस उपलब्ध होगी, वह दी जाएगी। उसमें गुजरात को भी मिल सकती है।

SHRI EKANATH K. THAKUR: Sir, there are several power projects based on gas which have been supplied gas on a yearly basis, lapsable basis and availablility basis. May the hon. Minister give us information as to how many such power projects are there where the gas has been given on availability basis, and whether these projects will be given priority when the gas becomes available.

SHRI RAM RAIK: Sir, gas is used for many purposes. Power generation is one purpose, fertilizer is another, in steel as a stock, it is also used, as a vehicle, autombile fuel, it is also being used. So, by and large, I would

like to say, there is an inter-Ministerial group which decides about the allocation of gas in which all these Ministries are involved and then they decide as to whom the gas is to be given. As of now, whatever gas is available, it has been allocated. But out of that allocation, we are in a position to give only about 54 per cent and not more than that. So as soon as it comes, it would be given. Power is an important component and it will be also given.

*389. [The questioners Shri Vayalar Ravi, DR. T. Subbarami Reddy were absent. For answer *vide* page 33 *infra*.]

*390. [The questioners Shri M.V. Rajasekharan, SHRI K. Rahman Khan] were absent. For answer *vide* page 34 *infra*.]

*391. [The questioners Shri Suresh Pachori, Shri Balkavi Bairagi were absent. For answer *vide* page *34 infra*.]

*392. [The questioner Shri Ram chandra Khuntia was absent. For answer *vide* page 35 *infra*.]

*393. [The questioners Shri Khan Ghufran Zaidi, Shri Uday Pratap Singh were absent. For answer *vide* page *36 infra*.]

Use of brokers for securities transactions

*394. SHRI SANJAY NIRUPAM: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Reserve Bank of India has utilised the services of brokers in their securities transactions in the overseas market;

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor;

(c) whether such transactions were done as principals or as agents and trades were settled through the books of the brokers; and

(d) if so, the volume of the transactions including purchase and sale?

THE FINANCE MINISTER (SHRI JASWANT SINGH): (a) to (d) A Statement is placed on the Table of the House.

Statement

(a) The Reserve Bank of India (RBI) has informed that it is dealing directly with its counter parties abroad in respect of its securities transaction